



नं० 239/94

रक्षा प्रति 10/11



रक्षा प्रति 10/11  
दिल्ली 31-5-94

- 1) लोकाचार - श्री लारा अष्टिा रूप स्वकीय कामुस  
अष्टिा कती स्वष्टिा लवहाप इहरेकी लिखता नोंव बुचारा  
तेकी अना सिमडगा तिका गुमवा विवेका 15/9/94
- 2) लोकाचार - श्री विजय केरकेडा सिता का काम की  
प्रेस उदय केरकेडा कती अष्टिा लवहाप तीकर सिमड  
नोंव बुचारा तेकी अना सिमडगा तिका गुमवा केरा  
भारतीय बापव पत्र संख्या 531/94
- 3) लोकाचार - विजय पत्र केरावा तेका लोकाचार  
सख दिन कतिरिपे।
- 4) सुभा - मोक्कीना श्यात ह्या पांच शो श्याप कांके  
75007 - श्याप तिसका काचा तीन ह्या श्यात शो  
पचास श्याप कांके 3, 7501 - श्याप तीका 75
- 5) श्यापि - कस्तुरीपात अंके कपना श्या 75 काका  
75 श्यापि कांके 75 श्यापि कांके 75

जो गार का भागडा कामव किसी से नहीं पा इसलिये  
है कि कुछ पदा जिसका केना कलाम लिख दिप नी राम  
पर काम कले कोर पुगाय रही

तमिल का पुरा विवरण :- सोना सिमडगा पुजना विष्क  
जाना सिमडगा जाना नर 116 नर से शारद। एक रोजी  
डॉफिस सिमडगा कोइए रोजी डॉफिस को निना गुणना  
सेवक नर 1 कोर खाना नर 3 कोर धरौत नर 194।  
डॉफिस से कुछ तमिल। राम मुफ्त वाड किसेम वाडमा  
के रकबा थोर तर सिमरीक कंके 74 सिमरीक नर  
से से पड्डे सिमरीक कंके 15 सिमरीक नर नर  
उत परिचय मिला।

थोड़ी :- उत का शला दमिन मुरे व के कौडा  
का वाड पुरव के कोर नर। काम रक परिचय कोर  
कोर का वाड नर। काम नर कोर परिचय नर।  
रकबा पड्डे सिमरीक कंके 15 सिमरीक नर।  
ठपिनारी सिमडगा जान सिमडगा जिला गावडा सेवेक  
गार के विषय कोर का माव गुतारी गोवलीक दुस  
पेस कंके 10 पेस कलाप मेव देव कपन राम  
वसिल खरित का नर शारद व शारद रूसीक वसिल  
को सेनी के कोर कडुए लिख को के के पड्डे के  
जवाहन के शरण पडा का मज मुन पड्डे के सुना  
कोर का मेव सुन नर मरु मेव पाखुप कता कडुए  
कुल कुमिवका सिमरीक कोर सिमडगा न 22-5-94.  
मे कोषणा कडा है कि सिमरीक कोर का कोर उत  
पे कपन वसिल कोर सिमरीक के उतगत लिखना  
के से खाना खरित न 22-4-28









4681

बचत पूर क अधिक एव खाशानागपु  
 कारकारी शक्ति: 1908 की धारा  
 16 (1) के अन्तर्गत (अ) की धारा  
 भारत: भारतीय राष्ट्रीय अधिविकास  
 परिषद (व्यवस्थापक) 1899 की धारा  
 1 का 1 क के अन्तर्गत (अ) की धारा  
 भारत सरकार के अन्तर्गत (अ) की धारा  
 भारत सरकार के अन्तर्गत (अ) की धारा

मा० स्टाम्प अ० के अधीन नं० 8000/9  
 अतिरिक्त नं० 150/9  
 950/-

₹ (1) 320.00  
 6 (₹) 36.00  
 356.00  
 2.50  
 0.94  
 344  
 359.44

Account of Dr. L. R. Sindhu  
 66719354

28/5/94

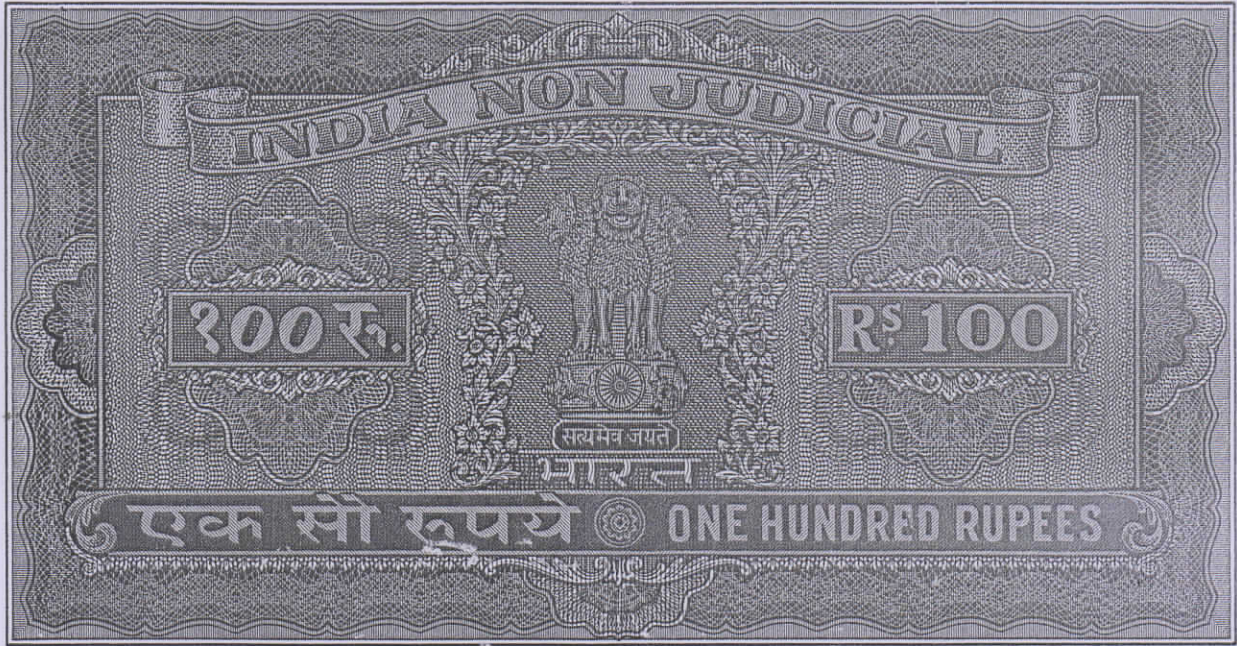
श्री. चारा रकबा  
 पं. चारा (980) 28.5.94  
 28.5.94

1) लेशमधारी :- श्री चारा रकबा वल्ल स्वर्गीय आशुस  
 रकबा जाति रकबा व्यवसाय गृहस्थी  
 निवास गांव बुधरा टोली धाना सिमडेगा  
 जिला गुमला । (त्रिनेता) ।

2) लेशमधारी :- श्री विजय केरकेडा पिता का नाम श्री  
 प्रेम उदय केरकेडा जाति रकबा व्यवसाय  
 नीचरी निवास गांव बुधरा टोली धाना  
 सिमडेगा जिला गुमला । (त्रिनेता) भारतीय ।  
 शपथ-पत्र संख्या 52/94

रकबा गा० उड राधान केरकेडा  
 पि० स्व० योगेश केरकेडा  
 गा० सिमडेगा बुधरा टोली  
 धाना सिमडेगा जिला गुमला  
 ता० 28-5-94





२३। इधलिय भेने अपनी इच्छा से शरीर  
 और मन की स्वस्थता में उपरोक्त  
 खाना नं ० (पांच) में वर्णित जमीन  
 उपयुक्त लेख्यधारी श्री विजय केरकेडा  
 के लिए अन्तम दफा 46 (छियालीस)  
 बी. एन. टी. एम् ३ तहत वाद दंड्या  
 बी. एन. टी. 65/93-94 (CMT Sixty five  
 of Ninety three - Ninety four) द्वारा  
 खड़िया बनाम विजय केरकेडा के नाम  
 आवेदन देकर श्री मान. उप-समाहता,  
 भूमि-सुधार मंत्रालय विमडेगा से तारीख  
 13.4.94 (तेरह अप्रील उन्नीस सौ-  
 पैंसतानवे) ईस्वी को मंजूरी लेकर  
 मौलिक घात हजार पांच सौ रुपये  
 अंके 7500/- रुपये नगद रुपया मुल्य  
 पाकर बेचा और इस जमीन का  
 सब अधिकार उक्त लेख्यधारी श्री  
 विजय केरकेडा को हस्तांतरित कर  
 दिया। आज से इस जमीन पर न  
 हमारा कोई अधिकार रहेगा और न  
 ही हमारा किसी भी उत्तराधिकारी  
 या स्थानापन्न का।

श्री गणेशाय नमः  
 श्री गणेशाय नमः  
 २३-२-९४

श्री गणेशाय नमः  
 श्री गणेशाय नमः  
 २३-२-९४





नींदी :-

उत्तर :- आग वाला ।

दक्खिन :- सुरेल केरकेडा का थंड ।

पूरब :- नीज लोरुमपारी आग वाला ।

पश्चिम :- जोहन केरकेडा का थंड ।

कुल एक खाने की एक लॉट

जुमला २००० पन्नाह डीसमील अके

१५ डीसमील जमीन अचल अपिचारी

विमडेगा चाना विमडेगा जिना गुमला

से लोरुमपारी श्री विजय केरकेडा

मालगुजारी गोवलिग दस पैसे अके

१० पैसे अलावे शीफ देकर अपने

नाम दारिके खाराज करार साल

व साल रलीह हादिल करे ।

गोविन्द के कहे अनुसार

लिखा वो दोनों पत्रों को गता-

-दान के सागरे पहा का

गजगुण पदकर सुना वो लगका

दिने, सुनकर गजगुण दिने ।

प्राप्तकर्ता :- अरुण कुमार, अधिवक्ता

सिविल कोर्ट विमडेगा

ना २८-५-७४ ।

श्री व्योमला करता हु कि जिनी

की जानेवाली जमीन एवं आपना

रही लारा लिखा  
२४-२८-५-७४



कचत जमीन विलिंग के अनन्तर  
 नहीं जाना है।  
 सही प्रकार खड़ीया  
 ता ०२२-५-१-२०४

सही प्रकार खड़ीया  
 ता ०२२-५-१-२०४